08-04-2023

भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 को कैबिनेट ने गुरुवार को मंजूरी दे दी। भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि इससे अंतरिक्ष से जुड़े क्षेत्र में अधिक स्पष्टता के साथ सुधारों का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे निजी उद्यमों की भी भागीदारी बढ़ाने की भी राह आसान होगी।इस फैसले का काफी समय से इंतजार था।

त्वरित मुद्दा?

- इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विभाग की भूमिका को बढ़ाना, इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) मिशन की गतिविधियों को बढ़ावा देना और अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योग की भागीदारी बढ़ाना है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 अंतरिक्ष क्षेत्र में विभिन्न संगठनों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को रेखांकित करती है।
- इस नीति में इसरो, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और निजी क्षेत्र की संस्थाओं की जिम्मेदारियां शामिल हैं।
- न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित रणनीतिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाएगा, जो मांग-संचालित मोड में कार्य करेगा।
- इसरो अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए कोई परिचालन और उत्पादन कार्य नहीं करेगा और अपनी ऊर्जा को नई तकनीकों, नई प्रणालियों और अनुसंधान और विकास के विकास पर केंद्रित करेगा।
- इसरो के मिशनों के परिचालन भाग को न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जो अंतरिक्ष विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।
- भूमिकाओं में यह स्पष्टता स्थापित घटकों के कुशल कामकाज में मदद करेगी।

अन्य प्रमुख तथ्य?

इसरो के मिशन

- वर्ष 1980 में SLV-3 का सफल परीक्षण।
- वर्ष 1994 में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) का सफल परीक्षण।
- वर्ष 2008 में चंद्रयान-1
- वर्ष 2014 में मंगलयान
- वर्ष 2017 में GSLV MK 3 का सफल परीक्षण।
- वर्ष 2018 में नेवीगेशन उपग्रह IRNSS लॉन्च।
- वर्ष 2019 में चंद्रयान-2।
- **इसरो के भविष्य के मिशन**
  - आदित्य-एल 1
  - गगनयान
  - चंद्रयान-3
  - वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष में भारत का अंतरिक्ष स्टेशन।

- नीति का उद्देश्य अंतरिक्ष विभाग की भूमिका को बढ़ाकर और अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योग से भागीदारी को प्रोत्साहित करके अंतरिक्ष क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना है।
- इससे अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी और निजी क्षेत्र के लिए अधिक अवसर पैदा होंगे।
- भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 का उद्देश्य इसरो मिशन की गतिविधियों को बढ़ावा देना है।
- इससे इसरो को अपने उद्देश्यों को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से प्राप्त करने में मदद मिलेगी।
- यह नई प्रौद्योगिकियों और अभिनव समाधान के विकास में भी मदद करेगा।

- यह नीति, अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में निजी क्षेत्र के महत्व पर बल देती है।
- यह अंतरिक्ष क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में निजी क्षेत्र की संस्थाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।
- यह निजी क्षेत्र को एंड-टू-एंड अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देती है, जिसमें उपग्रह, रॉकेट और लॉन्च वाहन, डेटा संग्रह और प्रसार शामिल हैं।
- इससे निजी क्षेत्र के लिए अधिक अवसर उत्पन्न होंगे और इससे भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के विकास में मदद मिलेगी।
- नीति का उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में अनुसंधान, शिक्षा और स्टार्टअप को शामिल करना है।
- इससे नई तकनीकों, नवोन्मेषी समाधानों और टैलेंट पूल के विकास में मदद मिलेगी।
- यह भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के विकास में भी मदद करेगा और इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के अधिक अवसर उत्पन्न होंगे।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत की अंतरिक्ष एजेंसी है।
- इसरो का गठन 15 अगस्त, 1969 को किया गया था।
- इसरो का मुख्य उद्देश्य विभिन्न राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास और अनुप्रयोग है।
- इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, इसरो ने संचार, दूरदर्शन प्रसारण और मौसम संबंधी सेवाओं, अंतरिक्ष आधारित नौसंचालन सेवाओं के लिए प्रमुख अंतरिक्ष प्रणालियों की स्थापना की है।
- इसरो ने उपग्रहों को अपेक्षित कक्षाओं में स्थापित करने के लिए उपग्रह प्रक्षेपण यान, PSLV और GSLV विकसित किए हैं।
- इसरो का मुख्यालय बेंगलूरु में स्थित है तथा इसकी गतिविधियाँ विभिन्न केंद्रों और इकाइयों में फैली हुई हैं।
  - विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम में प्रमोचक रॉकेट का निर्माण किया जाता है।
  - यू. आर. राव अंतरिक्ष केंद्र, बेंगलूरु में उपग्रहों की डिजाइन एवं विकास किया जाता है।
  - सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में उपग्रहों एवं प्रमोचक रॉकेटों का समेकन तथा प्रमोचन किया जाता है।

- द्रव नोदन प्रणाली केंद्र, वलियमाला एवं बेंगलूरु में क्रायोजेनिक चरण के साथ द्रव चरणों का विकास किया जाता है।
- अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद में संचार एवं सुदूर संवेदन उपग्रहों के संवेदकों तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से संबंधित पहलुओं पर कार्य किया जाता है।
- राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, हैदराबाद में सुदूर संवेदन आँकड़ों का अभिग्रहण, प्रसंस्करण तथा प्रसारण किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (UN) सांख्यिकीय आयोग नारकॉटिक ड्रग्स और संयुक्त यूएन कार्यक्रम कोऑर्डिनेटिंग बोर्ड के सदस्य बनने के लिए चुना गया है, जो देश की अंतरराष्ट्रीय मंच में बढ़ती उपस्थिति की निशानी है। इस फैसले का वोट अप्रैल 6, 2023 को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) द्वारा लिया गया था।

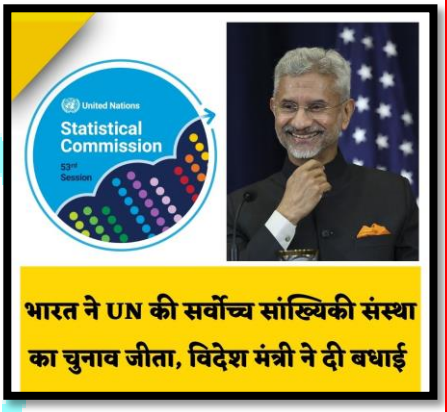

त्वरित मुद्दा?

- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर भारत को बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'भारत संयुक्त राष्ट्र सर्वोच्च सांख्यिकीय निकाय के लिए चुना गया है। इतने कड़े मुकाबले में इतनी मजबूत जीत हासिल करने के लिए बधाई।' सदस्य के रूप में भारत का कार्यकाल 1 जनवरी 2024 से शुरू होगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारत इससे पहले अंतिम बार 2004 में सांख्यिकी आयोग का सदस्य बना था।
- संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग, वैश्विक सांख्यिकीय प्रणाली का सर्वोच्च निकाय है।
- संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग की स्थापना वर्ष 1947 में की गयी थी, इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है।
- यह दुनिया भर के सदस्य राज्यों के मुख्य सांख्यिकीविदों को एक साथ लाता है।
- यह अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय गतिविधियों के लिए निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके कार्यान्वयन सहित सांख्यिकीय मानकों को स्थापित करने और अवधारणाओं और विधियों के विकास के लिए जिम्मेदार है।
- संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग में 24 सदस्य देश शामिल होते हैं।
- इसके सदस्यों का कार्यकाल चार वर्ष का होता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद

- आयोग में सदस्यों को निम्नलिखित पैटर्न के अनुसार भौगोलिक वितरण के आधार पर संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद द्वारा चुना जाता है। -
  - अफ्रीकी राज्यों से पांच सदस्य।
  - एशिया-प्रशांत राज्यों से चार सदस्य।
  - पूर्वी यूरोपीय राज्यों से चार सदस्य।
  - लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई राज्यों के चार सदस्य।
  - पश्चिमी यूरोपीय और अन्य राज्यों से सात सदस्य।